कार्यकारी सार

1. भारतीय रेल में अस्पताल प्रबंधन

भारतीय रेल 17 क्षेत्रीय रेलों (ज़ेडआरज) और पांच उत्पादन इकाईयों में फैले 129 अस्पतालों और 588 स्वास्थ्य इकाईयों के माध्यम से 64 लाख रेलवे लाभार्थियों को चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवायें प्रदान कराती है। महानिदेशक/रेलवे स्वास्थ्य सेवा रेलवे स्वास्थ्य संबंधि सेवा का प्रमुख है जिसमें रेल में या रेलवे स्टेशन पर घायल या बहुत बीमार यात्री को तुरंत राहत प्रदान करने के अलावा स्वच्छता, सफाई का रखरखाव और स्वच्छ पेय जल का प्रावधान शामिल है।

यह रिपोर्ट बजटीय नियंत्रण, उपलब्ध श्रमशक्ति का प्रभावी उपयोग और अस्पताल प्रशासन में प्रभावकारिता के आकलन में अस्पताल के निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करती है। 17 केन्द्रीय चिकित्सालयों, एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पांच उत्पादन इकाई अस्पतालों, 41 मण्डलीय/उप-मण्डलीय अस्पतालों और पांच कार्यशाला अस्पतालों के प्रतिदर्श का समीक्षा के लिये चयन किया गया। इसके अतिरिक्त, विस्तृत जांच के लिये 89 प्राथमिक स्वास्थ्य इकाईयां/औषधालयों का चयन किया गया।

लेखापरीक्षा ने देखा कि प्रभावी बजटीय नियंत्रण में कमी थी। अंतिम अनुदान और वास्तविक व्यय के बीच अंतर के अलावा, अनुचित योजना के कारण निष्क्रिय निवेश हुआ था। चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी ने मरीजों की चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं को आंशिक रूप से प्रभावित किया है। कुशल पेशेवरों की अनुपलब्धता के कारण चिकित्सा उपकरण निष्क्रिय पड़े रहे जिसके कारण गैर रेल अस्पतालों को परिहार्य रिफरेंस हुआ।

आवश्यकता के गलत आकलन के कारण दवाईयां अधिक और उनके उपयोग होने की अवधि कम हुई। दवाईयों के भंडारण और संरक्षण के लिये क्षेत्रीय रेलों में कई अस्पतालों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं था। मरम्मत और रखरखाव में काफी व्यय होने के बावजूद, लेखापरीक्षा ने चिकित्सा उपकरणों के काम न करने के बहुत से उदाहरण देखे। अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली चिकित्सा इतिहास फोल्डर के आवधिक अद्यतन, रखरखाव और वास्तविक लाभार्थी डाटा सहित क्षेत्रीय रेलों में समरूप चिकित्सा पहचान-पत्रों के संबंध में दस्तावेजीकरण का ध्यान रखने के लिये 1992-93 में बनाई गई थी उपरोक्त पहलुओं को जुलाई 2014 तक लागू नहीं किया जा सका। मुख्य लेखापरीक्षा निष्कर्षों का नीचे उल्लेख किया गया है: